परिशिष्ट

पारिभाषिक शब्दावली

आमिल - फकीर, प्रधान ।

आदिल - इंसाफ करने वाला, न्यायी ।

इफ्तेख़ार - भाग्यशाली ।

ख़ल्क - दुनिया ।

चरीके फिदाई खल्क -यह मार्क्सवादी एक गुरिल्ला गुट है जो जनता के हित के लिए बलिदान हो जाता है ।

चश्मपोशी - प्रश्रय देना ।

चहलुम - हजरत इमाम हुसैन की शहादत के बाद चालीस दिनों तक शिया गम मानते है और इस बीच कोई खुशी का काम नहीं करते हैं ।

जज़ीरा - द्वीप ।

तनाजा - माफी ।

तागूती - शैतान । ईरान में खुमैनी द्वारा यह पदवी शाह और शाही अनुयायियों को मिली थी ।

तिश्नगी - इच्छा ।

तीमी - मुजाहिदीनों का ऐसा घर जहाँ हथियारों से लैस वे छुप कर रहते हैं ।

तुरबत - समाधि, कब्र ।

नक्काली - गाकर शाहनामा पढ़ना ।

नफ़्ज - शियों का पवित्र स्थान जहाँ पर हजरत अली की आखिर आरामगाह है ।

नरगा - मुसीबत ।

निकाह - इस्लाम की धार्मिक पद्धति से होने वाला पारंपरिक विवाह ।

नौरोज - साल का नया दिन ।

पिंगाल - रेड लाइट एरिया ।

पिदर - पिता ।

बशर - मनुष्य ।

बातिल - असत्य, गलत, खंडित, व्यर्थ, निकम्मा ।

बेहिश्ते ज़हरा - यह तेहरान शहर का विशालकाय कब्रिस्तान है ।

मशरीक - पूर्व दिशा ।

मर्सिया - शान्ति पाठ ।

मुजाहिदीन - इस्लाम के पक्ष में मुस्लिम सेनानी, गुरिल्ला-योद्धा ।

मुताह - एक निश्चित समय के लिए एक निश्चित रकम के बदले स्त्री और पुरुष का विवाह ही मुताह कहलाता है । इस विवाह का अंत तलाक देकर नहीं हो सकता । निर्धारित अवधि समाप्त हो जाने पर यह स्वतः समाप्त हो जाता है । इसमें पति-पत्नी एक दूसरे के उत्तराधिकारी नही माने जाते हैं । यह शिया समुदाय की प्रथा है ।

मुनाफीक़ीन - इस्लाम में एक ऐसा शब्दावली है जो कि उन लोगों को संदर्भित करता है जो धार्मिक शिक्षा पालन करने का दिखावा करते हैं लेकिन वास्तव में इसे अपने दिल में स्वीकार नहीं करते हैं ।

रोजे महशर - कयामत का दिन ।

लान्ताबाद - मरघट ।

शबीहें - ताजिया का ऊपरी गुम्बद जो मंदिर का हमशक्ल होता है तथा दूसरी मंजिल अलग तरह का ।

शवे-यल्दा - २५ दिसम्बर की लंबी रात । पूरी रात ईरानी जागकर साज-आवाज के साथ काटते हैं ।

शहवत - भोग-विलास की इच्छा, काम वासना ।

शहयाद - तेहरान में पहलवीं काल की पचासवीं सालगिरह पर बनी सफेद संगमरमर की बहुमंजिली इमारत ।

सबील - ईरान में मरनेवालों (विशेषकर बुजुर्ग) के नाम पर यह सजाई जाती है । यह ताजिया के शक्ल की होती है जो कुमकुम्र, रंगीन पन्नी, रंगीन बल्बों आदि से सजी होती है । यहाँ मरसिया पढ़ी जाती है । इसे 'रौजा खूनी' भी कहते हैं ।

सीगा- ऐसा विवाह जो विशेष समय के लिए होता है । इसकी अवधि दो घंटे से लेकर दो वर्षों तक हो सकता है । इसमें शर्त यह है कि औरत विधवा हो किन्तु मर्द के लिए ऐसी कोई शर्त नहीं है । यह कानून अवैध संबंधों को वैध बनाने हेतु शियों ने आरंभ किया था ताकि समाज में अवैध संबंधों पर धार्मिक बंधन रहे ।

सुहेल - यह सितारा यमन मुल्क पर साल में एक बार निकलता है । जिस रात निकलता है उस रात कच्चा चमड़ा उसकी रोशनी में फैला दिया जाता है । उसके रोशनी के तासीर से चमड़े के कीड़े मर जाते हैं और उसमें विशेष प्रकार की सुगन्ध भर जाती है ।

सेग्रेकर - यह पेरिस का पुराना सफेद संगमरमर का चर्च है ।

संगसार - वह औरत जो पति के रहते पराये मर्द से संबंध बना ले उसे इस्लाम धर्म के अनुसार पत्थर मार-मारकर मार डाला जाता है ।

सैहशम्बा - मंगलवार ।

हमजाद - जो साथ-साथ पैदा हो ।

हुसैनी ब्राह्मण - ब्राह्मणों का वह वर्ग जिसके पूर्वज राजा दत्त थे, जिसने चौदह सौ वर्ष पहले कर्बला की जंग में हुसैन के हिमायती बनकर अपने सात

बेटों की कुर्बानी दी थी । सामान्यतया ऐसे ब्राह्मणों का कुलनाम दत्त, बाली, वैद, मोहियाल, छिब्बर आदि होता है ।

*****